

प्रारक। चित्रवक्राल। तस्मिन् चित्रवक्रालस्म। अहा।  
 मीप्रारकाणं। तवहंमासाणं वक्रपडिप्रसाणं। अहा।  
 हमाणं राहुदियाणं। जावम  
 नरकत्राणं। जागसुवागणम  
 आरागांदारस्यपद्याया ॥७॥  
 जावादवादेवीउय। वसुदारवासंवासिंसु। समंत  
 दिवरागासादाणं। मापुस्माणवदणं। उसुक्रमा।

